



दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महाराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

Facebook दैनिक बुद्ध का संदेश WhatsApp 8795951917, 9415163471 Telegram @budhakasandesh Email budhakasandeshnews@gmail.com Website www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

एक विश्वास....

भाई तेरा स्टार है का मजेदार ट्रेलर ...8

सिद्धार्थनगर

सोमवार ,13 जुलाई 2026

वर्ष: 13 अंक : 211 पृष्ठ: 8

आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

सम्पादक : राजेश शर्मा

सैकड़ों टन कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण करता है एक पेड़’: सीएम

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी हुई हैं। भौतिक विकास में तेज आदित्यनाथ ने रविवार सुबह योगदान देने वाले इस राज्य ने

गोरखपुर से, एक दिन में 35 करोड़ रिकार्ड पौधरोपण के लक्ष्य वाले प्रदेशव्यापी पौधरोपण महायज्ञ 2026 का शुभारंभ किया। ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान के तहत उन्होंने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे पर भगवानपुर टोल प्लाजा के समीप पवित्र त्रिवेणी (नीम, पीपल, बरगद) का पौधा लगाया और सेल्फी भी ली। इसके बाद पौधरोपण महायज्ञ के उपलक्ष्य में गीड़ा सेक्टर 28 में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत नौ वर्षों में प्रदेश में भौतिक विकास की रफ्तार तेज होने के साथ ही वनाच्छादन का भी विस्तार हुआ है। पौधरोपण महायज्ञ का शुभारंभ करने के बाद गोरखनाथ मंदिर वापस लौटते समय सीएम योगी ने आरकंभीके के पास ताल रिंग रोड के किनारे भी पौधरोपण किया। यहां उन्होंने मौलश्री का पौधा लगाया।

गीड़ा के सेक्टर 28 में हुए पौधरोपण महायज्ञ कार्यक्रम में सीएम योगी ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद से उत्तर प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर में भारी वृद्धि हुई है। एक्सप्रेसवे, हाईवे के साथ बड़े पैमाने पर सड़कों का जाल बिछा है। नए-नए उद्योग लगे हैं। शहरीकरण का दायरा बढ़ा है और नई-नई कॉलोनियां विकसित



पर्यावरण संरक्षण के प्रति संकल्पित प्रयासों से वनाच्छादन के विस्तार में भी सफलता प्राप्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि धरती पर जब एक पेड़ उगता है तो वह सैकड़ों टन कार्बन डाइऑक्साइड का अवशोषण करता है। उन्होंने बताया कि विगत नौ वर्षों में यूपी का वनाच्छादन बढ़ने से 6 करोड़ 37 लाख 74 हजार 130 टन कार्बन डाइऑक्साइड अवशोषण तथा 4 करोड़ 63 लाख 90 हजार 130 टन ऑक्सीजन उत्सर्जन

‘पौधरोपण महाभियान ६ रती माता के प्रति कृतज्ञता का म ह ा य ज्ञ ’: मुख्यमंत्री ने पौधरोपण महाभियान को धरती माता के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने का महायज्ञ बताया और इसमें हर व्यक्ति की तरफ से योगदान दिए जाने की आवश्यकताओं की पूर्ति करती है। ६

रती माता के बारे में हमारे ऋषियों ने संकल्प के भाव से कहा है, श्माता भूमि: पुत्रो अहं पृथिव्यारूः अर्थात् यह धरती हमारी माता है और हम सब इसके पुत्र हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक पुत्र के रूप में धरती माता के प्रति उत्तरदायित्व का निर्वहन करने के लिए ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ‘एक पेड़ मां के नाम’ का आह्वान किया है। यह आने वाली पीढ़ी के भविष्य को सुंदर बनाने का राष्ट्रीय कर्तव्य है।

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को वर्चुअल माध्यम से अहमदाबाद में साबरमती नदी के पूर्वी तट पर बने ‘हेरिटेज’ नाम के एक सार्वजनिक पार्क का उद्घाटन किया। इस खूबसूरत पार्क को टोरेंट समूह के प्रमोटर्स की समाजसेवी संस्था श्यूएनएम फाउंडेशन ने तैयार किया है। यूएनएम फाउंडेशन द्वारा जारी बयान के अनुसार, अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) के सहयोग से बने इस हेरिटेज पार्क को तैयार करने में 10

वृक्ष मित्र बनकर देश को बनाएं हरा-भरा: शिवराज

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने हरित भविष्य के निर्माण के लिए देश में बड़े पैमाने पर पौधरोपण अभियान शुरू करने का रविवार को आह्वान किया है। नयी दिल्ली स्थित पूसा परिसर में आयोजित ‘पर्यावरण संरक्षण संकल्प’ और ‘वृक्ष मित्र संवाद’ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि प्रत्येक परिवार को जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, बच्चों के जन्म और दिवंगत माता-पिता की स्मृति जैसे अवसरों पर पौधरोपण करना चाहिए। इससे हर व्यक्तिगत अवसर को ‘वृक्ष उत्सव’ में बदला जा सकता है। उन्होंने प्रत्येक ‘वृक्ष मित्र’ से हर साल कम से कम एक पेड़ लगाने और पांच अन्य लोगों को इस अभियान से जोड़ने की अपील की। चौहान ने कहा कि प्रतिभागी सोशल मीडिया पर अपनी प्रतिबद्धता साझा करें, ताकि 12 अगस्त को ‘हरियाली अमावस्या’ तक देशभर में एक मजबूत नेटवर्क तैयार किया जा सके।

करोड़ रुपये की लागत आई है। और नेहरू ब्रिज के बीच 20,000



यह पार्क स्वामी विवेकानंद ब्रिज वर्ग मीटर के बड़े क्षेत्र में फैला

हुआ है। फाउंडेशन की ‘प्रतीति’ क्षेत्रों का कायाकल्प और शहरी पुनरुद्धार योजना के तहत विकसित और सुरक्षित किया जाने वाला यह 12वां सार्वजनिक पार्क है। इस पार्क की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें अहमदाबाद के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विकास को दिखाने वाली पांच स्थायी कलाकृतियां और प्रदर्शनियां लगाई गई हैं। ‘प्रतीति’ पहल के तहत यूएनएम फाउंडेशन अब तक गुजरात में 17 करोड़ रुपये की लागत आई है। और नेहरू ब्रिज के बीच 20,000 वर्ग मीटर के बड़े क्षेत्र में फैला पार्क, दो झीलें और अन्य हरे-भरे क्षेत्रों का कायाकल्प और रखरखाव कर चुका है, जो कुल 8.44 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले हैं। इसके साथ ही संस्था ने अहमदाबाद और गांधीनगर के आसपास 69 झीलों को सुधारने और उनके रखरखाव की जिम्मेदारी भी ली है। फाउंडेशन ने बताया कि स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, कला और संस्कृति के क्षेत्रों में उनके द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों से गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दमन में अब तक 2.5 करोड़ से अधिक लोग लाभ उठा चुके हैं।

देहरादून-ऋषिकेश हाईवे प्रोजेक्ट विकास की भेंट चढ़ेंगे हजारों पेड़? चौड़ीकरण पर मचा भारी बवाल

उत्तराखंड के ऋषिकेश में दंगे। क्यों भड़के हुए हैं लोग?: इस स्थानीय लोगों और पर्यावरण विरोध प्रदर्शन में शामिल पर्यावरण कार्यकर्ता शिल्पी ने



कार्यकर्ताओं ने भानियावाला और रानीपोखरी के बीच देहरादून-ऋषिकेश राष्ट्रीय राजमार्ग को चौड़ा करने की परियोजना के विरोध में मोर्चा खोल दिया है। इस सड़क परियोजना के लिए काटे जाने वाले पेड़ों की सुरक्षा के लिए लोग दिन-रात वहां पहरा दे रहे हैं। आंदोलनकारियों का कहना है कि वे किसी भी कीमत पर इन पेड़ों को कटने नहीं

देंगे। क्यों भड़के हुए हैं लोग?: इस स्थानीय लोगों और पर्यावरण विरोध प्रदर्शन में शामिल पर्यावरण कार्यकर्ता शिल्पी ने जंगलों की कटाई से होने वाले नुकसानों को लेकर चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा, ष्म यहां बड़े पैमाने पर हो रहे जंगलों के विनाश के खिलाफ खड़े हैं। वे इसे फोर-लेन सड़क बनाने के लिए पेड़ों को काटना चाहते हैं। ट्रैफिक तो सिर्फ शहर के अंदर और चारधाम यात्रा के समय होता है, तो क्या इसका मतलब यह है कि आने वाले समय में वे पूरे पहाड़ को काटकर फोर-लेन बना देंगे? उन्होंने आगे कहा, ष्म सभी जानते हैं कि तापमान पहले ही 2.5 डिग्री बढ़ चुका है और जलवायु परिवर्तन हमारे सामने है।

मानसून सत्र में राम मंदिर चढ़ावा और नीट पेपर लीक का मुद्दा उठाएगा इंडिया गठबंधन: सुधाकर सिंह

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के सांसद सुधाकर सिंह ने कहा है कि श्रृंखिया गठबंधन आगामी संसद के मानसून सत्र में राम मंदिर के चढ़ावे से जुड़े मामले और नीट पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरेगा। इसके साथ ही, विपक्षी दलों में फूट डालकर दो-तिहाई बहुमत हासिल करने की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कथित कोशिशों का भी कड़ा विरोध किया जाएगा। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। बिहार के बक्सर से सांसद सुधाकर सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा अपने विधायी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए जरूरी संख्या बल जुटाने के उद्देश्य से विपक्षी दलों को कमजोर करने की राजनीतिक रणनीति अपना रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा देशभर में विपक्षी दलों को तोड़कर संसद में दो-तिहाई बहुमत हासिल करना चाहती है, लेकिन श्रृंखिया गठबंधन पूरी मजबूती के साथ इसका विरोध करेगा। भारतखबर सांसद सुधाकर सिंह के अनुसार, विपक्ष संसद में हर महत्वपूर्ण मुद्दे को प्रमुखता से उठाएगा। इसमें राम मंदिर के चढ़ावे की चोरी और पेपर लीक से लेकर बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसे विषय शामिल हैं। हाल के दिनों में विपक्षी सांसदों के पाला बदलने की खबरों और अटकलों पर उन्होंने कहा कि यह पूरे श्रृंखिया गठबंधन के लिए चिंता का विषय है।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए नए आवेदकों को देना होगा माता-पिता का एसआईआर विवरण

नयी दिल्ली में निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने जानकारी दी है कि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के इच्छुक नए आवेदकों को अब अपने माता-पिता के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़ी जानकारी देनी होगी। इसके साथ ही, यह नियम उन मौजूदा मतदाताओं पर भी लागू होगा जो पिछली एसआईआर प्रक्रिया के दौरान अपनी जानकारी जमा करने से चूक गए थे और मतदाता सूची में बने रहना चाहते हैं। निर्वाचन आयोग (ईसी) द्वारा जारी नए निर्देशों के अनुसार, मतदाता सूची में शामिल होने के लिए नया फॉर्म-6 भरने वाले आवेदकों के लिए अपने माता-पिता का एसआईआर विवरण साझा करना आवश्यक कर दिया गया है। गौरतलब है कि इस घोषणा को पिछले वर्ष जून में बिहार में शुरू किए गए एसआईआर के दौरान जोड़ा गया था, जहां नए मतदाताओं को फॉर्म-6 के साथ यह स्व-घोषणा पत्र भी जमा करना पड़ता था। आयोग के अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि माता-पिता के एसआईआर विवरण से जुड़ी इस घोषणा को केवल नए प्रशासनिक निर्देशों के माध्यम से जोड़ा गया है और इसके लिए मूल फॉर्म-6 में किसी भी तरह का बदलाव नहीं किया गया है।



केदारनाथ हाईवे पर भूस्खलन, मुनकटिया में रास्ता बंद



देहरादून। उत्तराखंड के से भर गया है, जिससे गाड़ियों का आना-जाना कुछ हद तक रुक गया है। प्रशासन ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत कार्रवाई शुरू कर दी है और रास्ते को साफ करने का काम तेज कर दिया है। मुनकटिया में रास्ता खोलने का काम तेजी से जारी गौरीकुंड के पास मुनकटिया में पहाड़ी से भारी मात्रा में मिट्टी, पत्थर और बड़े बोल्टर सड़क पर आ गिरे हैं, जिससे हाईवे पूरी तरह बंद हो गया है। इस रास्ते को दोबारा चालू करने के लिए जिला प्रशासन ने बिना देर किए बड़ी मशीनों और जेसीबी काम पर लगा दी हैं। सड़क से

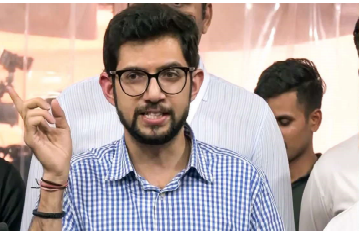
प्रशासन पूरी तरह अलर्ट, यात्रियों के लिए जरूरी सलाह

मौसम के खराब मिजाज और भूस्खलन के खतरों को देखते हुए रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद और सावधान है। केदारनाथ यात्रा के रास्ते पर किसी भी इमरजेंसी या मुसीबत से निपटने के लिए रेस्क्यू और रेस्पॉन्स टीमें लगातार नजर रख रही हैं, ताकि यात्रियों को तुरंत मदद दी जा सके। आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि जिलाधिकारी ने सभी विभागों और अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। यात्रा मार्ग पर जिन भी अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, उन्हें अपने तय स्थानों पर पूरी तरह अलर्ट रहने को कहा गया है। प्रशासन का कहना है कि केदारनाथ यात्रा को सुरक्षित और सही तरीके से चलाने के लिए हर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। तीर्थयात्रियों को भी यह सलाह दी गई है कि वे मौसम का हाल जानने और प्रशासन के नियमों को समझने के बाद ही अपनी यात्रा में आगे बढ़ें।

मलबे को हटाने का काम बहुत तेजी से किया जा रहा है।

आदित्य ठाकरे का बीजेपी पर सबसे बड़ा हमला, बोले- यह अब बाबर जनता पार्टी है

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के विधायक आदित्य ठाकरे ने राम मंदिर में कथित चंदा चोरी और समान नागरिक संहिता के मुद्दे पर भाजपा को आड़े हाथों लिया है। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए आदित्य ठाकरे ने भाजपा पर तीखे राजनीतिक हमले किए।



उन्होंने कहा, ष्म भगवान राम की रक्षा भाजपा से कर रहे हैं। भाजपा अब शबाबर जनता पार्टी बन चुकी है। भाजपा कथित राम मंदिर लूट से देश का ध्यान भटकाने के लिए ही समान नागरिक संहिता का मुद्दा उठा रही है। हम ऐसा नहीं होने देंगे। आइए यूसीसी पर उसके गुणों के आधार पर बहस करें, और हम इसका समर्थन करेंगे। सुप्रीम कोर्ट

को राम मंदिर में हुई इस कथित लूट के तहत उद्धव ठाकरे ने मध्य मुंबई के दादर में स्थित हनुमान मंदिर में शहनुमान स्तोत्र और शहनुमान चालीसा का पाठ किया। इसके बाद मंदिर के बाहर एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। भगवा रंग का कुर्ता पहने उद्धव ठाकरे ने साफ कहा कि अगर कोई हिंदुत्व का गलत इस्तेमाल करके मंदिर को लूटेगा, तो देश के हिंदू उसे कभी माफ नहीं करेंगे। उद्धव ठाकरे ने कहा, ष्म बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदुओं को लूटने वाले लोग ही आज सत्ता में बैठे हैं। किसी भी लुटेरे से उसकी खुद की लूट की जांच करने के लिए नहीं कहा जा सकता। इसलिए यह जांच पूरी तरह निष्पक्ष रूप से होनी चाहिए।

मंदिर को लूटेगा, तो देश के हिंदू उसे कभी माफ नहीं करेंगे। उद्धव ठाकरे ने कहा, ष्म बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंदुओं को लूटने वाले लोग ही आज सत्ता में बैठे हैं। किसी भी लुटेरे से उसकी खुद की लूट की जांच करने के लिए नहीं कहा जा सकता। इसलिए यह जांच पूरी तरह निष्पक्ष रूप से होनी चाहिए।

काशी और मथुरा को लेकर जताई चिंता

शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने राजनीति में मशहूर नारे अयोध्या तो झांकी है, काशी-मथुरा अभी बाकी हैं का जिक्र करते हुए गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अयोध्या के हालात देखकर अब उन्हें इस बात की चिंता सता रही है कि आगे चलकर काशी और मथुरा में क्या होगा। उद्धव ने कहा कि हम निडर, मासूम और देश से प्यार करने वाले हिंदू जरूर हैं, लेकिन हम मूर्ख नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे ने हिंदुओं को जगाने का काम किया था, लेकिन आज की राजनीति में हिंदुओं को गुमराह किया जा रहा है।

क्या है पूरा मामला?

राम मंदिर में चढ़ावे और चंदे की कथित चोरी का यह गंभीर मामला इसी साल 7 जून को सामने आया था। मामले की गहराई से जांच करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने एक विशेष जांच दल का गठन किया था। एसआईटी की शुरुआती रिपोर्ट के आधार पर 25 जून को इस मामले में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने इस कार्रवाई के तहत मंदिर के चढ़ावे की सुरक्षा और पैसों की गिनती करने वाली टीम में शामिल 8 लोगों को अब तक गिरफ्तार कर लिया है।



'एक पेड़ मां के नाम'' महाअभियान में धौरीकुईयां में हुआ वृहद वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। प्रदेशव्यापी “एक पेड़ मां के नाम” वृक्षारोपण महायज्ञ–2026 के तहत रविवार को विकास खंड नौगढ़ के धौरीकुईयां स्थित समय माता मंदिर परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष जसवंत सिंह, कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही, भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मोर्य, उत्तर प्रदेश शासन के प्रमुख सचिव एवं नोडल अधिकारी एस. वी.एस. रंगाराव, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन., पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह तथा प्रभागीय वनाधिकारी (डीएफओ) नीला एम सहित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण

का संदेश दिया।कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। जिलाधिकारी ने सभी विशिष्ट अतिथियों को स्मृति चिन्ह एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान स्कूली बच्चों ने स्वागत गीत और पर्यावरण संरक्षण पर आधारित सांस्.तिक प्रस्तुतियां देकर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया।गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष जसवंत सिंह ने

कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के आह्वान पर चलाया जा रहा श्यामधनी राही ने कहा कि पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए वृक्षारोपण बेहद आवश्यक है। उन्होंने लोगों से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की।प्रमुख सचिव एवं नोडल अधिकारी एस.वी. एस. रंगाराव ने बताया कि प्रदेश में इस वर्ष 35 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जबकि सिद्धार्थनगर जनपद को 45 लाख 65 हजार 400 पौधों के रोपण का लक्ष्य मिला है। उन्होंने कहा कि जनपद लक्ष्य से अधिक वृक्षारोपण की दिशा में कार्य कर रहा है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने और वर्ष 2047

किया जा रहा है और सिद्धार्थनगर भी इस अभियान में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने सभी लोगों से अपनी मां के नाम एक पौधा लगाने और उसके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।भाजपा जिलाध्यक्ष दीपक मोर्य ने कहा कि जल संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और आने वाली

करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जबकि सिद्धार्थनगर जनपद को 45 लाख 65 हजार 400 पौधों के रोपण का लक्ष्य मिला है। उन्होंने कहा कि जनपद लक्ष्य से अधिक वृक्षारोपण की दिशा में कार्य कर रहा है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने और वर्ष 2047

तक विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में हरित क्षेत्र का विस्तार महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन. ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों तथा आमजन का कार्यक्रम में सहभागिता के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि वृक्षारोपण के साथ–साथ पौधों का संरक्षण भी सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि एस.पी. अग्रवाल, ब्लॉक प्रमुख नौगढ़ रेनू मिश्रा, उपजिलाधिकारी नौगढ़ राहुल सिंह, डीसी मनरेगा संदीप सिंह, पीडी अनिल कुमार, एसडीओ वन विभाग बीना तिवारी, खंड विकास अधिकारी नौगढ़ सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

16 जुलाई को निकालीजायेगी जगन्नाथ स्वामीकी भव्य शोभा यात्रा

दैनिक बुद्ध का संदेश
लोटन/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड लोटन ग्राम पंचायत के पूरब स्थिति घोंधी नदी के तट पर जगन्नाथ स्वामी मंदिर से जगन्नाथ स्वामी की शोभा यात्रा/16जुलाई को निकाली जायेगी। स्थयात्रा में श्री.ष्ण सुभद्रा व बलराम की मूर्तियों का चित्र रखकर यात्रा निकाली जायेगी। स्थयात्रा की शुरुआत वर्ष 2002 मे तत्कालीन जिलाधिकारी श्री एन.एन.पाण्डेय ने की थी।कार्यक्रम के बारे मे व्यवस्थापक ग्राम प्रधान प्रदीप मोदनवाल ने बताया कि 16जुलाई को सुबह 10 बजे के लगभग क्षेत्र के उपस्थिति में शोभायात्रा निकाली जायेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अधिक से अधिक संख्या में लोटन कुटी पर पहुंचने की अपील है।

जिला न्यायालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हुआ वृक्षारोपण

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सिद्धार्थनगर के तत्वावधान में रविवार, 12 जुलाई 2026 को नवनिर्मित जनपद न्यायालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम में प्रभारी जनपद न्यायाधीश त्रिभुवन नाथ, प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय अखिलेश पांडे, पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरणअरविंद कुमार राय, विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) वीरेंद्र कुमार, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कनिष्क कुमार सिंह, प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अरुण कुमार चतुर्थ, सिविल जज (सीनियर डिवीजन/एफटीसी) श्री वकील, अपर सिविल जज (जूनियर डिवीजन) शिवेंद्र शर्मा तथा सदस्य स्थायी लोक अदालत जय शंकर प्रसाद मिश्र ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।इस अवसर पर जनपद न्यायालय के अधिकारी एवं कर्मचारी भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने अधिक से अधिक वृक्ष लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

वृक्षारोपण महाअभियान में लगा, एक पेड़ मां के नाम

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र बर्डीपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत बर्डीपुर नम्बर 10 के टोला देवरा चौधरी में नवागत खण्ड विकास अधिकारी अजय प्रताप सिंह, भाजपा मण्डल अध्यक्ष अमित कुमार उपाध्याय, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि संतोष कुमार चौधरा ने ग्राम पंचायत सचिवालय, प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय देवरा चौधरी में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत एक पेड़ मां के नाम महाअभियान में शामिल होकर पौधारोपण किया। तथा उपस्थित लोगों को शुद्ध पर्यावरण और आक्सीजन रुपी प्राणवायु के लिए पेड़ पौधों की महत्ता और आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए लोगों से पौधों को लगाने के साथ ही इनके सतत वृद्धि एवं विकास और सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। जिससे कि शासन के एक पेड़ मां के नाम इस वृक्षारोपण रुपी महाअभियान की सार्थकता सिद्ध हो सके। वृक्षारोपण कार्यक्रम के उक्त अवसर पर प्रधानाध्यापक कलीमुल्लाह, नागमा बानो, ग्राम विकास अधिकारी राजदीप सिंह, युवा नेता सतीश चौधरी, विजय कुमार, रोजगार सेवक राम अवतार, मोहम्मद काशिफ, दीपेन्द्र चौधरी, नीलम देवी, सरस्वती देवी, गायत्री देवी आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में घायल युवक को 108 एंबुलेंस ने पहुंचाया अस्पताल, समय पर मिला उपचार

दैनिक बुद्ध का संदेश
सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ तहसील के पास हुए एक सड़क हादसे में घायल युवक को 108 एंबुलेंस सेवा की तत्परता से समय पर उपचार मिल सका। घटना में बढ़नी ब्लॉक के ग्राम मुदिगल, थाना बढनी निवासी 36 वर्षीय रवि पांडे अपनी स्कूटी से दुकान से घर लौट रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से तेज रतार में आ रही एक बोलेरो के कट मारने से उनकी स्कूटी अनियंत्रित होकर गिर गई।हादसे में रवि पांडे के दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया तथा पैर के निचले हिस्से में गहरा घाव होने के साथ शरीर के अन्य हिस्सों में भी गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई।सूचना मिलते ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शोहरतगढ़ से संचालित 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस के ईएमटी विपिन और पायलट राजन ने घायल को प्राथमिक उपचार देने के बाद सुरक्षित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां उसका इलाज शुरू कराया गया।मौके पर मौजूद लोगों और परिजनों ने 108 एंबुलेंस सेवा की त्वरित कार्यवाई की सराहना करते हुए कहा कि समय पर एंबुलेंस पहुंचने से घायल को शीघ्र उपचार मिल सका और बड़ी अनहोनी टल गई।

दबंगई के बल पर खेत के किनारे अवैध नाली बनाने का आरोप, किसान ने एसडीएम से लगाई गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र के ग्राम महदेवा नानकार



में एक किसान ने गांव के ही व्यक्ति पर दबंगई के बल पर उसके खेत के समीप अवैध रूप से नाली निर्माण कराने का आरोप लगाते हुए उपजिलाधिकारी शोहरतगढ़ से कार्यवाई की मांग की है।महदेवा नानकार निवासी रामजीत कुमार पुत्र सूर्यभूषण ने एसडीएम को दिए शिकायती पत्र में बताया कि गांव निवासी अताउल्लाह द्वारा जेसीबी मशीन से उनके खेत के बगल में अवैध रूप से नाली की खुदाई कराई जा रही है। उनका आरोप है कि इस नाली निर्माण से उनकी िभूमि को नुकसान पहुंच रहा है और भविष्य में खेत की उपज पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।पीडित का कहना है कि जब उन्होंने नाली निर्माण का विरोध किया तो आरोपित ने कथित रूप से उनके साथ अमर व्यवहार किया और जान से मारने की धमकी देते हुए विवाद पर आमदा हो गया। इससे वह और उनका परिवार भयभीत है।शिकायतकर्ता ने उपजिलाधिकारी से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर अवैध नाली निर्माण को तत्काल रुकवाने तथा संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध विधिक कार्यवाई करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने प्रशासन से अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने और िभूमि को हो रहे नुकसान से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया है।फिलहाल मामले में प्रशासन की ओर से जांच की प्रक्रिया शुरू किए जाने की बात कही जा रही है। वहीं, आरोपित पक्ष का बयान सामने नहीं आया है।

”एक पेड़ माँ के नाम” अभियान के तहत अगया आयुष केंद्र परिसर में हुआ पौधरोपण



दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़, सिद्धार्थनगर। “एक पेड़ माँ के नाम” अभियान के अंतर्गत रविवार को पकड़ी मंडल की ग्राम पंचायत अगया स्थित आयुष्मान भारत आरोग्य आयुष केंद्र परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के मंडल महामंत्री सुनील गुप्ता ने नीम का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। सुनील गुप्ता ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन का आधार हैं। प्रत्येक व्यक्ति को अपनी माँ के सम्मान और प्रति के संरक्षण के लिए कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए तथा उसकी देखभाल का संकल्प भी लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ भावनात्मक जुड़ाव का भी संदेश देता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने अधिक से अधिक पौधरोपण कर हरित एवं स्वच्छ वातावरण बनाने का संकल्प लिया।

शोहरतगढ़–बढ़नी में रैली संग वृहद पौधरोपण अभियान, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश
शोहरतगढ़। “एक पेड़ मां के नाम” अभियान के तहत रविवार को आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ में पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता रैली, पौधरोपण और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्र–छात्राओं ने लोगों को अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया।कम्पोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय शोहरतगढ़ एवं पीएमश्री कम्पोजिट जूनियर हाईस्कूल कन्या विद्यालय नीबी दोहनी के विद्यार्थियों ने संयुक्त रूप से जागरूकता रैली निकाली। रैली को उपजिलाधिकारी कर्मंद कुमार ने

हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली नीबी दोहनी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, गोलघर, भारत माता चौक और पुलिस पिकेट सहित विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी। छात्र–छात्राओं ने हाथों में बेनर और स्लोगन लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।उपजिलाधिकारी कर्मंद कुमार ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प है। उन्होंने सभी नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का आह्वान किया। खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश
खेसरहा। विकासखंड

खेसरहा के प्राथमिक विद्यालय कसिहरा में बरसात शुरू होते ही जलभराव और कीचड़ की समस्या गंभीर हो गई है। विद्यालय परिसर में इंटरलॉकिंग अथवा आरसीसी फर्श न होने के कारण हल्की बारिश में भी पूरा परिसर दलदल में तब्दील हो जाता है। इससे विद्यालय आने वाले छोटे–छोटे बच्चों को रोजाना कीचड़ और पानी से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।विद्यालय परिसर में जलभराव के कारण बच्चों के जुते, मोजे और यूनिफॉर्म कीचड़ से खराब हो जाते हैं। कई बार बच्चे फिसलकर गिर भी जाते हैं, जिससे उनके चोटिल

होने का खतरा बना रहता है।



बरसात के मौसम में यह समस्या और अधिक गंभीर हो जाती है, जिससे अभिभावकों में चिंता बढ़ गई है।अभिभावकों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है, बल्कि हर वर्ष बरसात के

कंपोजिट जूनियर हाई स्कूल बेलऊख में जलभराव से छात्र परेशान, अभिभावकों ने उठाई स्थायी समाधान की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश
खेसरहा। विकासखंड खेसरहा के कंपोजिट जूनियर हाई स्कूल बेलऊख में बरसात के चलते विद्यालय परिसर जलमग्न हो गया है। मुख्य भवन के सामने भारी जलभराव और कीचड़ जमा होने से छात्र–छात्राओं को विद्यालय आने–जाने में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थिति पैदा हो जाती है। मुख्य भवन के सामने पानी भर जाने



से बच्चों के साथ–साथ शिक्षकों को भी आवागमन में परेशानी होती है।

लगातार जलभराव रहने से परिसर में गंदगी बढ़ रही है, जिससे दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है।स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय परिसर में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण हर वर्ष बरसात के मौसम में यही

पड़ता है, जिससे वे अक्सर गंदे होकर कक्षा में पहुंचते हैं। जमालुद्दीन ने कहा कि बरसात के दौरान यह समस्या और विकराल हो जाती है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया। वहीं राम भवन ने विद्यालय के मुख्य भवन के सामने जलभराव को शिक्षा व्यवस्था की उपेक्षा का उदाहरण बताते हुए तत्काल कार्यवाई की मांग की। पूनम ने बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए परिसर में जल निकासी, इंटरलॉकिंग अथवा आरसीसी फर्श का निर्माण कराने की मांग की।विद्यालय के प्रधानाध्यापक जावेद अहमद ने बताया कि बरसात के दिनों में

मुख्य भवन के सामने जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों एवं ग्राम पंचायत को अवगत करा दिया गया है, ताकि समस्या का शीघ्र समाधान कराया जा सके।ग्राम प्रधान मीरा के प्रतिनिधि संतोष ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है। उन्होंने कहा कि विद्यालय परिसर से पानी की निकासी की उचित व्यवस्था कराने तथा भविष्य में जलभराव की समस्या से स्थायी राहत दिलाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।ग्रामीणों और अभिभावकों ने प्रशासन से मांग की है कि बरसात के मौसम को देखते हुए विद्यालय परिसर में जल निकासी की समुचित व्यवस्था, इंटरलॉकिंग अथवा आरसीसी फर्श का निर्माण जल्द कराया जाए, ताकि बच्चों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में शिक्षा प्राप्त हो सके।

बच्चों में प्रति के प्रति जिम्मेदारी को कम से कम एक पौधा लगाकर



और पर्यावरण संरक्षण की भावना विकसित करते हैं।इसी क्रम में आदर्श नगर पंचायत के बेनीमाधव नगर स्थित नंदन वन पार्क में नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक नागरिक

विद्यालय लेदवा में भी शिक्षकों और विद्यार्थियों ने पौधे लगाकर अभियान में सहभागिता निभाई।कार्यक्रम के दौरान आयोजित पर्यावरण सुरक्षा विषयक निबंध प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को एसडीएम कर्मंद कुमार और बीडीओ संजय कुमार ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। विजेता विद्यार्थियों ने पुरस्कार प्राप्त कर खुशी व्यक्त की।उधर, नगर पंचायत बढनी में भी चेयरमैन सुनील अग्रहरि के नेतृत्व में “एक पेड़ मां के नाम” अभियान के तहत विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर पौधरोपण किया गया। जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों और स्थानीय

नागरिकों ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण का संकल्प लिया तथा अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने की अपील की।इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल, सीओ मयंक द्विवेदी, बीईओ संजय कुमार, प्रधानाध्यापक तुलसीराम, परमानंद श्रीवास्तव, रफीक अहमद, महेश त्रिपाठी, अमित चौधरी, पृथ्वीपाल, स्वाति वर्मा, उत्तम कुमार, योगेंद्र प्रसाद, शैलेन्द्र, यशपाल, शिवकुमार, भूमिका द्विवेदी, महेंद्र नाथ, संतोष कुमार, पंकज जायसवाल, रामाश्रय, उत्तम तिवारी सहित शिक्षक, छात्र–छात्राएं एवं बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे।



सम्पादकीय

ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, किशोर–किशोरियों को सही जानकारी और महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। आज आवश्यकता केवल जनसंख्या बढ़ने या घटने पर चर्चा करने की नहीं, बल्कि मानव संसाधन के समुचित विकास की है। यदि प्रत्येक बच्चे को अच्छी शिक्षा, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य...

विशाल जनसंख्या भारत की ताकत भी है और चुनौती भी

हर वर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का उद्देश्य बढ़ती जनसंख्या से जुड़े मुद्दों के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करना तथा परिवार नियोजन, मातृ स्वास्थ्य, लैंगिक समानता, शिक्षा और सतत विकास के महत्व को रेखांकित करना है। इस दिवस की शुरुआत 1989 में यूएन द्वारा की गई थी। इसकी प्रेरणा 11 जुलाई 1987 को मिली, जब विश्व की जनसंख्या लगभग 5 अरब तक पहुंच गई थी। यह दिन केवल जनसंख्या पर चर्चा करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह भी याद दिलाता है कि प्रत्येक व्यक्ति को बेहतर स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और सम्मानजनक जीवन का अधिकार है। आज विश्व की जनसंख्या 8 अरब से अधिक हो चुकी है। जनसंख्या वृद्धि ने विकास के अनेक अवसर दिए हैं लेकिन इसके साथ संसाधनों पर दबाव, पर्यावरणीय संकट, बेरोजगारी, गरीबी, जल संकट, खाद्य सुरक्षा और शहरीकरण जैसी चुनौतियां भी बढ़ी हैं। यदि जनसंख्या वृद्धि और संसाधनों के बीच संतुलन नहीं बनाया गया तो आने वाले वर्षों में इन समस्याओं की गंभीरता और बढ़ सकती है। भारत विश्व के सबसे अधिक आबादी वाले देशों में शामिल है। विशाल जनसंख्या भारत की सबसे बड़ी ताकत भी है और सबसे बड़ी चुनौती भी। यदि देश के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार उपलब्ध कराया जाए, तो यही जनसंख्या आर्थिक विकास का आधार बन सकती है। दूसरी ओर यदि स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के अवसर पर्याप्त न हों, तो सामाजिक और आर्थिक समस्याएं बढ़ सकती हैं। जनसंख्या वृद्धि का सबसे अधिक प्रभाव प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ता है। बढ़ती आबादी के कारण जल, भूमि, वन और ऊर्जा संसाधनों पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। शहरों का तेजी से विस्तार हो रहा है, जिससे प्रदूषण, यातायात, कचरा प्रबंधन और आवास जैसी समस्याएं भी गंभीर होती जा रही हैं। जलवायु परिवर्तन के दौर में

संतुलित जनसंख्या वृद्धि और टिकाऊ विकास की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। विश्व जनसंख्या दिवस परिवार नियोजन के महत्व पर भी विशेष बल देता है। छोटे परिवार से माता और बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर रहता है, बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलती है और परिवार की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है। महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाने से जनसंख्या स्थिरीकरण में महत्वपूर्ण योगदान मिलता है। यही कारण है कि लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को सतत विकास की आधारशिला माना जाता है। भारत सरकार और विभिन्न राज्य सरकारें परिवार कल्याण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, पोषण और जनजागरूकता से जुड़े अनेक कार्यक्रम चला रही हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य केवल जनसंख्या नियंत्रण नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, किशोर–किशोरियों को सही जानकारी और महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। आज आवश्यकता केवल जनसंख्या बढ़ने या घटने पर चर्चा करने की नहीं, बल्कि मानव संसाधन के समुचित विकास की है। यदि प्रत्येक बच्चे को अच्छी शिक्षा, पौष्टिक भोजन, स्वास्थ्य सुविधाएं और सुरक्षित वातावरण मिले, तो वह देश के विकास में प्रभावी योगदान दे सकता है। इसलिए जनसंख्या नीति का केंद्र मानव विकास होना चाहिए। विश्व जनसंख्या दिवस हमें यह भी संदेश देता है कि विकास तभी सार्थक होगा जब वह समावेशी और टिकाऊ हो। प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, पर्यावरण की रक्षा, रोजगार सृजन, महिलाओं की भागीदारी और सामाजिक समानता जैसे पहलुओं पर समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है। सरकार, सामाजिक संगठनों, शिक्षण संस्थानों और नागरिकों को मिलकर जनसंख्या संबंधी चुनौतियों का समाधान खोजना होगा।

खामेनेई युग का अंत

इधर बेंजामिन नेतन्याहू की नजर ईरान के साथ अब लेबनान पर टिकी है और हिज्बुल्लाह को खत्म करने के नाम पर लगातार लेबनान पर हमले हो रहे हैं। इस में अमेरिका को भी तकलीफ हो रही है। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने जब इजरायल को कहा कि अमेरिका की बात सुनिए क्योंकि केवल हम ही आपका साथ दे रहे हैं तो नेतन्याहू का जवाब था कि भारत का समर्थन उनको मिल रहा है...

ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई के अंतिम संस्कार से पहले उनकी अंतिम यात्रा निकाली जा रही है। जिसमें पूरे ईरान से लोग तो उमड़ पड़े ही हैं, साथ ही दुनिया के कई देशों के लोग उन्हें आखिरी बार श्रद्धांजलि देने पहुंच रहे हैं। अली खामेनेई की अंतिम यात्रा सोमवार को राजधानी तेहरान में शुरू हुई। शहर की सड़कों पर लाखों लोग उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए जुटे। जिस तरह से पूरे ईरान में खामेनेई के अंतिम संस्कार पर लोग रोते–बिलखते दिख रहे हैं और जान के खतरे उठाकर भी कार्यक्रमों में शामिल हो रहे हैं, उससे अनुमान लगाया जा सकता है कि आयतुल्लाह अली खामेनेई का ईरान में क्या दर्जा था। वे केवल आधिकारिक तौर पर सुप्रीम लीडर नहीं थे, बल्कि उनके साहस और बेखौफ रहवे को देखकर आम ईरानी नागरिक उन्हें अपना सर्वोच्च नेता मानता था और उनके कहे को पथर की लकीर। शायद यही वजह है कि 28 फरवरी को जब अमेरिका और इजरायल के हमले में आयतुल्लाह खामेनेई अपने कुछ परिजनों के साथ शहीद हुए, तो उनके न झुकने वाले जब्जे को हरेक ईरानी नागरिक ने अपने व्यवहार में उतार लिया और फिर अमेरिका–इजरायल के हर हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया। डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू को खुशफहमी थी कि वे ईरान पर

हुआ। आयतुल्लाह अली खामेनेई के अलावा अली लारीजानी जैसे नेता भी मारे गए, मिनाब की स्कूल में सौ से ज्यादा बच्चियां हमले का शिकार बनीं। लेकिन ईरान झुका नहीं, संघर्ष करता रहा। हालात ऐसे बने कि आखिर में अमेरिका को ईरान के साथ पहले अस्थायी युद्ध विराम और अब समझौता करने पर मजबूर होना पड़ा। हालांकि ट्रंप की अकड़ अब भी खत्म नहीं हुई है। अली खामेनेई को अंतिम विदाई देने के लिए कम से कम एक करोड़ लोग ईरान में अलग–अलग जगहों पर सड़कों पर आए हैं। इसे देखकर ट्रंप ने कहा कि उन्हें ईरानियों को रोता देखकर हैरानी हुई। उन्हें लगा

था कि लोग खामेनेई से नफरत करते हैं। फिर खुद को सही साबित करने के लिए ट्रंप ने कहा, शहो सकता है ये नकली आंसू हों।इ इस बयान के पीछे दो ही कारण हो सकते हैं या तो ट्रंप सच्चाई को अनदेखा कर रहे हैं कि उनके खामेनेई के विरुद्ध चलाए गए अभियान को जनता ने नकार दिया है या फिर उनमें वैश्विक मामलों की वाकई समझ नहीं है। वे अब भी इस मुगालते में हैं कि ईरान की सम्प्रता को जमींदार कर सकते हैं। याद कीजिए ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य न खोलने पर ईरान को सम्यता मिटाने की धमकी दी थी। ऐसे बयानों से ट्रंप खुद ही अपनी मिट्टी पलीद

करवा रहे हैं। बीबीसी के मुताबिक नकली आंसू वाले ट्रंप के दावे पर शोक मना रही 50 साल की महिला जहरा सफाई ने रॉयटर्स से कहा, शहमने 47 साल पहले नकली आंसू बहाने के लिए क्रांति नहीं की थी। हमने अपने इतने शहीदों की कुर्बानी नकली आंसू बहाने के लिए नहीं दी।ऐसे बयान ट्रंप और नेतन्याहू को आईना दिखाने के लिए काफी हैं कि वे ईरान की सच्चाई समझ लें और युद्ध के रास्ते से पीछे लौट जाएं। मगर ये दोनों मगरूर नेता अब भी अपनी झूठी अकड़ में फँसले ले रहे हैं। जैसे खामेनेई के अंतिम संस्कार में तमाम वरिष्ठ ईरानी नेता और अधिकारी शामिल हो रहे हैं। इस पर ट्रंप ने कहा कि ईरानी शासन के कई वरिष्ठ अधिकारी एक ही जगह मौजूद हैं। अमेरिका चाहे तो श्एक ही हमलेश् में उन सभी को मार सकता है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा, शहम ऐसा नहीं करेंगे, क्योंकि फिर बातचीत करने के लिए कोई नहीं बचेगा।इ दरअसल ट्रंप इस बात को समझ नहीं रहे हैं कि ईरान किसी एक नेता पर निर्भर नहीं है, ईरानी जनता ने यह साबित किया कि वे देश बड़ा होता है कोई चेहरा नहीं। देश आदर्शों और सिद्धांतों पर चलता है। तो आयतुल्लाह अली खामेनेई ने पश्चिमी देशों, खासकर अमेरिका की नीतियों के प्रतिरोध में जो सिद्धांत अपनाए ईरान अब भी उन्हीं पर चल रहा है, इसलिए उसे झुकाया नहीं जा सका।

राजनैतिक हलके में भी इस आदेश पर सवाल उठाए जा रहे हैं। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुरवबीर सिंह बादल ने कहा कि पंजाब के दर्दनाक इतिहास को साहस के साथ सामने लाने वाली और सरदार जसवंत सिंह जी खालड़ा के सर्वोच्च बलिदान को श्र)ांजलि देने वाली इस सशक्त फिल्म को इस तरह खामोश नहीं किया जा सकता। यह महज सेंसरशिप नहीं है। यह हमारी सामूहिक स्मृति, सच ...

आजादी के बाद भारत ने जिस उदार लोकतांत्रिक व्यवस्था को अपनाया, उसके कारण विश्व मानचित्र में भारत का विशेष स्थान बना। इस व्यवस्था में आम जनता को अपनी सरकार चुनने के साथ–साथ अभिव्यक्ति की आजादी भी हासिल हुई, जो लोकतंत्र के लिए अनिवार्य है। लेकिन उस आजादी पर बार–बार पहरा लगाना स्वस्थ लोकतंत्र की निशानी नहीं है। इसका ताजा उदाहरण ओटीटी प्लेटफॉर्म जी–5 पर प्रदर्शित फिल्म पर प्रतिबंध के तौर पर सामने आया है। गायक–अभिनेता दिलजीत दोसांझ अभिनीत फिल्म सतलुज तीन जुलाई को जी–5 पर रिलीज हुई थी, लेकिन पांच जुलाई को इसे प्लेटफॉर्म से हटा दिया गया था। यह फिल्म मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालझ के जीवन पर आधारित है, जिन्होंने खालिस्तान आंदोलन के दौरान बड़ी संख्या में लापता हुए लोगों और लावारिस लाशों का मुद्दा समाज के सामने लाया था और इसमें तत्कालीन पंजाब पुलिस पर बड़े सवाल उठे थे। इस गंभीर मुद्दे को उठाने की कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। लेकिन अब उनके इस जीवन संघर्ष और इंसाफ की लड़ाई को

सरकार जनता के सामने नहीं आने देना चाहती है। गौरतलब है कि पहले यह फिल्म पंजाब १95१ नाम से बनी, जिसे बाद में श्सतलुजेश नाम से प्रदर्शित होने की अनुमति मिली, और इसमें कई सारे दृश्यों पर सेंसर की कैंची चली। हालांकि उसके बावजूद फिल्म को दो दिन में ही हटाने का आदेश भी हो गया, जो सोशल मीडिया के इस जमाने में हास्यास्पद लगता है। जब एक बार कोई चीज लोगों के मोबाइल, लैपटॉप पर आ जाती है तो उसे डाउनलोड करना कठिन नहीं है। फिर जिस चीज को जितना लोगों से दूर करने की कोशिश की जाती है, उतना लोग उसे देखना चाहते हैं, यह सहज मानवीय प्रवृत्ति है। तो अगर सरकारें ऐसा सोचती हैं कि कोई फिल्म दो दिन के प्रदर्शन के बाद प्रतिबंधित करने से वह लोगों से दूर हो जाएगी, तो यह उसकी खुशफहमी है। प्रधानमंत्री मोदी पर बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री भी ऐसे ही प्रतिबंधित की गई, लेकिन फिर भी दुनिया भर में लोगों ने



उसे देखा। अब सवाल यह है कि आखिर एक असल कहानी को पर्दे पर दिखाने से सरकार को ऐतराज क्यों हुआ। क्यों सरकार एक मानवाधिकार कार्यकर्ता पर हुए पुलिसिया अत्याचार को दिखाने पर रोक लगा रही है। जो कुछ अतीत में हुआ वह आज के प्रतिबंध लगाने से लोगों की स्मृति से मिटने वाला नहीं है। बल्कि उसे कई और तरीकों से सामने लाने की कोशिश होती ही रहेगी। बता दें कि मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालझ 1980–90 के दशक में पंजाब में चरमपंथ के दौर में लापता लोगों की तलाश करते हुए एक

सतलुज पर प्रतिबंध

से उठते सवाल

दिन खुद ही लापता हो गए और बाद में सीबीआई की रिपोर्ट में बताया गया कि पुलिस अधिकारियों ने 6 सितंबर 1995 को उन्हें उनके आवास से ही अगवा कर लिया था। दरअसल 1980 और 90 के दशक में पंजाब में आतंकवादी घटनाओं के साथ पुलिस प्रताड़ना, हिरासत में मौतें और फर्जी पुलिस मुठभेड़ के भी कई प्रकरण चर्चा में रहे। जसवंत सिंह खालझ ने भी जब अमृतसर, मजीठा और तरनतारन के तीन रमशान घाटों में जून 1984 से दिसंबर 1994 तक जलाई गई लावारिस लाशों के बारे में पड़ताल की तो उन्होंने इसके पीछे पुलिस की गैरकानूनी कार्यवाइयों का आरोप लगाया। सीबीआई के मुताबिक जसवंत सिंह खालझ ने इसके खिलाफ आवाज उठाई। लेकिन स्थानीय पुलिस को यह बात खटकी तो उन्हें उनके घर से ही उठा लिया गया और फिर गैरकानूनी हिरासत में रखने के बाद उनकी हत्या कर दी गई।

उनकी लाश एक नहर में फेंकी गई, जो कभी बरामद नहीं हुई। यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया, जहां शीर्ष अदालत ने कहा कि मानवाधिकार कार्यकर्ता होने के नाते, जसवंत सिंह खालझ ने अमृतसर और तरनतारन जिलों में पुलिस के कथित गलत कामों का पर्दाफाश करने का काम किया था। पुलिस ने आतंकवादियों के नाम पर बेकसूर लोगों को मारकर बिना किसी पहचान के उनका अंतिम संस्कार किया। पुलिस अधिकारियों को खालझ की ऐसी गतिविधियां पसंद नहीं आईं और उन्होंने यह काम बंद करने को कहा। खालझ

ने जब बात नहीं मानी तो बड़ी बेदर्री से उन्हें मारा गया। जिस घटना पर सुप्रीम कोर्ट तक टिप्पणी कर चुका है, उसे दिखाने पर रोक लगाना समझ से परे है। हालांकि ऐसा कोई कदम सरकार की तरफ से उठाया जाएगा, इसका अंदेशा अभिनेता दिलजीत दोसांझ को पहले से था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा है कि श्मुझे पहले से ही लग रहा था कि ऐसा होगा। जिसकी (जसवंत सिंह खालझ) आवाज को 1995 में भी दबाया गया और आज 2026 है। कमाल की बात है। हद हो गई है। हम 2026 में जी रहे हैं और कहां खड़े हैं। आज भी आप बात नहीं करने दे रहे हो। कोर्ट ने जो फैसले दिए हैं हम उसी पर बात कर रहे हैं।

कोई नयी बात नहीं कर रहे हैं। ये बात मेरी समझ से पूरी तरह बाहर है।इ उन्होंने कहा कि, श्मुझे इस बात की खुशी है कि ये फिल्म कुछ लोगों तक पहुंच गई है। ये लोगों की फिल्म है। ये रुक नहीं सकती।इ इसी तरह कुणाल कामरा ने लिखा कि सीबीएफसी का ओटीटी प्लेटफॉर्म या अंतरराष्ट्रीय रिलीज पर कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। पंजाब 95 जसवंत सिंह खालझ की कहानी है। उन्होंने

मानवाधिकार उल्लंघनों के दस्तावेजी सबूत सामने रखे और इसकी कीमत अपनी जान देकर चुकाई। अगर दस्तावेजी तथ्यों पर आधारित एक फिल्म भी भारतीय दर्शक नहीं देख सकते, तो जनता यह जानने की हकध्दार है कि इसकी वजह क्या है।इ कामरा ने यह भी लिखा कि श्कश्मीर फाइल्स, बंगाल फाइल्स और द केरल स्टोरी के लिए रेड कार्पेट। धुर्ंधर 1 और धुर्ंधर 2 के लिए फूल– एक काल्पनिक डॉक्यूमेंट्री या एक्सप्लेनर के लिए। किसी निर्देशक के करियर के चार साल निगल जाने का एहसास कैसा होता है? जसवंत सिंह खालझ का एक बार फिर अपहरण कर लिया गया है।



अमेरिका ने 140 सैन्य ठिकाने किए तबाह, तो ईरान ने यूएस जहाजों को बनाया निशाना

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा युद्ध अब लगातार गंभीर होता जा रहा है। होर्मुज स्ट्रेट में ईरान की सेना आईआरजीसी ने जब व्यापारिक जहाजों और कंटेनरों पर हमला किया, तो जवाब में अमेरिका ने भी जोरदार हमला बोल दिया। अमेरिका ने ईरान पर तीसरे दौर की बड़ी सैन्य कार्रवाई की है।

दूसरी ओर, ईरान ने भी घुटने टेकने से इनकार कर दिया है और वह लगातार अमेरिकी हमलों का जवाब दे रहा है। ईरान ने ओमान, कतर, कुवैत और बहरीन जैसे खाड़ी देशों में बने अमेरिकी सैन्य ठिकानों को अपना निशाना बनाया है।

ओमान के दुकम बंदरगाह

पर ईरान के बड़े हमले

इलाके में बढ़ते तनाव के बीच, ईरान ने ओमान के दुकम बंदरगाह पर कई हमले किए हैं। ईरान की सेना आईआरजीसी का कहना है कि उसकी वायु सेना ने दुकम बंदरगाह पर मौजूद अमेरिकी विमानवाहक जहाजों की मदद करने वाले और ईंधन भरने वाले प्लेटफॉर्म पर भारी बमबारी की है। ईरान के मुताबिक, यह हमला अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के जवाब में उठाए गए तीसरे कदम का हिस्सा है।

ईरान की सेना का बयान इस्लामिक रिवालयूशनरी गार्ड कोर ने बयान दिया, छ्दस सैन्य अभियान में अमेरिकी नौसेना के जहाजों को रसद पहुंचाने वाले

केंद्रों को निशाना बनाया गया है। हम चेतावनी देते हैं कि इलाके में बढ़ती अस्थिरता और अशांति के लिए पूरी तरह से अमेरिकी—जायोनी दुश्मनश जिम्मेदार है। अगर ये हमले नहीं रुके, तो हम आगे इससे भी ज्यादा कड़ी और खतरनाक कार्रवाई करेंगे।

खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइल अटक: दक्षिणी ईरान पर अमेरिका की ओर से लगातार की जा रही बमबारी के जवाब में ईरानी सेना ने कई देशों में मौजूद अमेरिकी ठिकानों पर हमले तेज कर दिए हैं। ईरान ने कुवैत में अमेरिका की पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम, एक गोला—बारूद डिपो



और एक मिलिट्री रडार साइट पर ड्रोन से हमले किए। इसके अलावा, बहरीन में मौजूद अमेरिकी सेना के संचार केंद्र और रडार साइट को भी ड्रोन हमलों की दूसरी लहर में निशाना

बनाया गया।

ईरान के तटीय ठिकानों पर अमेरिकी हमलों के जवाब में होर्मुज जलडमरूमध्य में एक और अमेरिकी जहाज पर हमला करके उसे बेकार कर दिया

गया। वहीं, कतर में स्थित अमेरिका के शअल उदैद एयरफोर्स बेसश पर ईरान ने दूसरे दौर की बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इस हमले में कतर बेस के लड़ाकू विमान रखरखाव केंद्र और कमांड हेडक्वार्टर को निशाना बनाया गया। कतर के रक्षा मंत्रालय ने भी इस बात की पुष्टि की है कि उसके देश में कई बैलिस्टिक मिसाइलें आकर गिरी हैं, जिससे जुड़ा एयर डिफेंस का एक वीडियो भी सामने आया है। अमेरिका ने ईरान के 140 ठिकानों को तबाह किया: दूसरी तरफ, अमेरिकी सेना ने ईरान के खिलाफ अपने तीसरे दौर के हमलों को पूरा कर लिया

है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने 11 जुलाई को इस कार्रवाई की जानकारी दी। अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य में एक व्यापारिक जहाज पर हुए हमले के लिए ईरान को जिम्मेदार ठहराया है। अमेरिकी सेना ने जमीन और समुद्र से उड़ान भरने वाले लड़ाकू विमानों, ड्रोंनों और नौसैनिक जहाजों की मदद से सटीक निशाना लगाते हुए ईरान के करीब 140 सैन्य ठिकानों को ढ

मुस्तैदी: कमांडर इन चीफ के आदेश पर अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इस हफ्ते तीन रातों तक चले हमलों के दौरान ईरान के 300 से ज्यादा ठिकानों पर बमबारी की है। इस कार्रवाई का मकसद ईरान की उस ताकत को कमजोर करना है, जिससे वह आम नागरिकों और व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाता है, ताकि अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्ते से जहाज बिना किसी डर के आ—जा सकें। अमेरिकी सेना के मुताबिक, मई की शुरुआत से अब तक उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य से 800 से ज्यादा व्यापारिक जहाजों और 4 करोड़ बैरल कच्चे तेल को सुरक्षित निकालने में मदद की है।

एम्बोलो के रेड कार्ड पर भड़के स्विस कोच, बोले— इस नियम ने हमारा खेल बर्बाद कर दिया

स्विटजरलैंड के फॉरवर्ड ब्रील एम्बोलो को अर्जेंटीना के खिलाफ विश्व कप क्वार्टर फाइनल मैच के दूसरे हाफ में वीडियो रिव्यू के बाद रेडकार्ड दिखाये जाने के फैसले पर विवाद हो गया है और यह तो तय है कि इससे पूरे टूर्नामेंट में रैंफरियों द्वारा अर्जेंटीना का पक्ष लिये जाने की आलोचना करने वाले और मुखार हो जायेंगे। स्विटजरलैंड के लिये डैन एनडोये ने 67वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। इसके बाद अर्जेंटीना के मिडफील्डर लिंएंड्रो पेरेडेस को एम्बोलो से टकराने के कारण येलो कार्ड दिखाया गया लेकिन वीडियो रिव्यू में नजर आया कि पेरेडेस से टकराने से पहले ही एम्बोलो गिर रहे थे।

एम्बोलो को मैच में पहले



वजह से उन्हें रेडकार्ड दिया गया। मैच 1 . 1 से बराबर होने के बाद स्विटजरलैंड को दस खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा। अर्जेंटीना ने अतिरिक्त समय में दो गोल करके उसे 3 . 1 से हराया। इस विश्व कप में दूसरी बार येलो कार्ड का फैसला बदला

गया। नियमों के अनुसार अगर बाहर होना दुखद है। मुझे नहीं लगता कि हमारे साथ ऐसा होना चाहिये था। मेरी टीम ने पूरी लगन और जुनून के साथ खेला और मुझे उस पर गर्व है।” उन्होंने पुर्तगाल के रैफरी जोओ पिन्हेइरो की आलोचना करते हुए कहा ,” रैफरी ने गलत फैसला लिया। यह सजा लायक गलती नहीं थी। मुझे पता है कि वे अपने रैफरी का बचाव करेंगे लेकिन इस नियम ने आज हमारा खेल बर्बाद कर दिया। यह काफी दर्दनाक है कि हम इस तरह से बाहर हुए।”

अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी ने स्वीकार किया कि किस्मत ने उनका साथ दिया क्योंकि स्विटजरलैंड का एक खिलाड़ी बाहर था। स्विस कप्तान ग्रैनिट जाका ने कहा ,” रेडकार्ड

ने मैच का परिणाम बदल दिया। इस फैसले को स्वीकार कर पाना मुश्किल है।” इससे पहले अंतिम 16 के दौर में अर्जेंटीना से 2 . 3 से मिली हार के बाद मिश्र फुटबॉल संघ ने कहा था कि वे खामोश नहीं बैठेंगे। मिश्र के कोच होसाम हसन और कई खिलाड़ियों ने रैंफरिंग की आलोचना की थी। मैच में 79वें मिनट में दो गोल से पिछड़ने के बाद अर्जेंटीना ने 13 मिनट के भीतर तीन गोल किये थे। फीफा के रैंफरिंग प्रमुख पीयरलुइगी कोलिना ने बुधवार को कहा था ,” फीफा विश्व कप मैच अधिकारियों की ईमानदारी पर कोई शक नहीं कर सकता। ऐसी कोई घटना होने पर उनकी और उनके परिवार को धमकियां दी जाती हैं जो सही नहीं हैं।

एक्स्ट्रा टाइम में अल्वारेज और मार्टिनेज का कमाल, स्विट्जरलैंड को हराकर अर्जेंटीना सेमीफाइनल में

अतिरिक्त समय में जूलियन अल्वारेज और लौतारो मार्टिनेज के गोल की मदद से मौजूदा चौंथिपयन अर्जेंटीना ने स्विटजरलैंड को 3 . 1 से हराकर विश्व कप सेमीफाइनल में जगह बना ली जहां उसका सामना इंग्लैंड से होगा हालांकि यह मुकाबला उतना आसान नहीं था जिनका सोचा जा रहा था। विश्व कप में लगातार गोल करने का लियोनेल मेस्सी का नौ मैचों का सिलसिला टूट गया लेकिन लगातार दूसरे खिताब से अब वह सिर्फ दो जीत दूर हैं। सेमीफाइनल में उसे इंग्लैंड से खेलना है जिसने नॉर्वे को 2 . 1 से हराया।

दूसरे सेमीफाइनल में फ्रांस का सामना स्पेन से होगा और पहली बार फीफा रैंकिंग की शीर्ष

चारों टीमें विश्व कप सेमीफाइनल में पहुंची हैं। अर्जेंटीना के लिये मेस्सी की कॉर्नर किक पर एलेक्सिस मैक एलिस्टर ने पहला गोल किया था। दूसरा हाफ काफी नाटकीय रहा और एक बार फिर रैफरी के फैसले के बाद आलोचक मुखर हो जायेंगे कि टूर्नामेंट में अर्जेंटीना का पक्ष लिया जा रहा है। स्विटरजलैंड ने 67वें मिनट में डैन एनडोये के गोल की मदद से बराबरी की थी जब ब्रील एम्बोलो से टकराने के कारण लिंएंड्रो पेरेदेस को येलो कार्ड दिखाया गया। वीडियो से हालांकि जाहिर था कि स्विस खिलाड़ी एम्बोलो अर्जेंटीना के मिडफील्डर से टकराने से पहले ही गिर रहे थे। एम्बोलो को मैच में पहले ही येलो कार्ड मिल चुका था जो



उसे रेडकार्ड में बदल दिया गया। स्विटजरलैंड को आखिर में दस खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। इस विश्व कप में दूसरी बार येलो कार्ड का फैसला बदला गया है। नियमों के अनुसार अगर गलत खिलाड़ी को येलो या रेडकार्ड मिलता है तो वीडियो सहायक रैफरी दखल दे सकता

है। विश्व कप में लगातार 12वां मैच जीतने वाली अर्जेंटीना टीम नॉकआउट चरण में कमजोर नजर आई। केप वर्दे जैसे छोटे से देश के खिलाफ उसका मुकाबला अतिरिक्त समय तक खिंचा।

वहीं मिश्र के खिलाफ 79वें मिनट तक टीम 2 . 0 से पिछड़

रही थी। पिछले 72 साल में पहली बार विश्व कप क्वार्टर फाइनल खेल रही स्विस टीम कभी सेमीफाइनल तक नहीं पहुंची है और अब तक आठ मुकाबलों में एक बार भी अर्जेंटीना को हरा नहीं सकी है। अर्जेंटीना पिछले एक महीने से कंसास सिटी में है और हजारों नये प्रशंसक बना लिये हैं। कुछ सप्ताह पहले अल्जीरिया के खिलाफ मैच में उन्होंने यहां मेस्सी को हैट्रिक लगाते देखा था। बेहद गर्मी और उमस के बीच यह विश्व कप का 100वां और आखिरी क्वार्टर फाइनल मैच था। अब तक पांच मैचों में सिर्फ तीन गोल गंवाने वाली स्विस टीम ने शुरुआती मिनटों

में दबदबा बनाने की कोशिश की। लेकिन टूर्नामेंट में अब तक फ्रांस के कीलियन एमबापे के साथ सर्वाधिक आठ गोल कर चुके मेस्सी ने कलात्मक खेल दिखाते हुए कॉर्नर किक हासिल की और मैक एलिस्टर को गेंद सौंपी जिन्होंने अर्जेंटीना को बढत दिलाई। स्विटजरलैंड को अपने स्ट्राइकर जोहान मोंजाबी की कमी खली जो घुटने की चोट के कारण बाहर थे। दूसरे हाफ में स्विस टीम ने लगातार हमले बोले और रिकार्डो रोड्रिगेज के पास पर एनडोये ने बराबरी का गोल दाग दिया। इसके कुछ देर बाद ही हालांकि एम्बोलो को रेडकार्ड मिला। निर्धारित समय तक स्कोर 1 . 1 से बराबर रहने के बाद मुकाबला अतिरिक्त समय तक गया।

वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत विभिन्न स्थानों पर लगाए गए 675 पौधे

दैनिक बुद्ध का संदेश संतकबीर नगर। देश भर में चलाए जा रहे “एक पेड़ माँ के नाम” अभियान के अंतर्गत मा0 जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय श्री रणधीर सिंह के गुरिहामयी



लिए एक सुरक्षित भविष्य की नींव भी है।उन्होंने उपस्थित सभी न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं एवं कर्मचारियों से अपील की कि वे सभी कम से कम एक पौधा अपनी माँ के नाम अवश्य लगाएं और उसकी देखभाल संतान की भांति करें। इस पौधारोपण अभियान के दौरान न्यायालय परिसर में आम, नीम, पीपल, बरगद, आंवला एवं गुलमोहर सहित कुल 100 फलदार एवं छायादार पौधों का

रोपण विभिन्न न्यायिक अधिकारियों तथा कर्मचारियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण संरक्षण की शपथ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश नासिर अहमद, स्पेशल जज पाक्सो .ष्ण कुमार— पंचम, सीजीएम श्रीमती चेतना त्यागी, एसीजेएम संजय राज पांडेय, सचिव सुनील कुमार सिंह, सिविल जज जूनियर डिवीजन अशोक कसौधन, न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय चंदन सिंह सहित मुख्य प्रशासनिक अधिकारी राकेश बिहारी शुक्ला, अनिल विश्वकर्मा, दीपकचंदन पटेल, संतोष यादव, देवकीनंद हिरेवी, अनुपम सिंह, कुंजेश यादव, आनंद भारती, परमजीत, सर्वजीत, राम भवन चौधरी, अरुणीश, शुभम, जय शंकर एवं वन विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे, सभी ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण में भाग लिया।

दैनिक बुद्ध का संदेश संतकबीर नगर। वृहद वृक्षारोपण अभियान के तहत शनिवार को जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया गया। अभियान में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, शिक्षकों तथा ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लीते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।गडगवार विकास खंड परिसर सहित विभिन्न गांवों में कुल 515 पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान खंड विकास अधिकारी रणजीत कुमार, सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) विनोद कुमार पांडेय, बब्बन यादव, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ददन राम सहित अन्य लोगों ने पौधे लगाकर उनके संरक्षण का

संकल्प लिया।इसी क्रम में रामधारी सिंह महिला महाविद्यालय परिसर में भी पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रबंधक सुरेश सिंह के नेतृत्व में 50 पौधे लगाए गए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और अनाे वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण करना चाहिए तथा लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल भी करनी चाहिए।कार्यक्रम के दौरान ग्राम विकास अधिकारी अनिल कुमार यादव ने ग्रामीणों को वृक्षारोपण के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि एक वृक्ष सैकड़ों लोगों के जीवन के लिए उपयोगी होता है। उन्होंने लोगों से अधिक

से अधिक पौधे लगाने और उन्हें सुरक्षित रखने की अपील की, ताकि हरियाली बड़े और वातावरण में ऑक्सीजन की मात्रा में वृद्धि हो सके।वहीं ग्राम प्रधान प्रतिनिधि इंद्रसेन सिंह के निर्देशन में 110 पौधों का रोपण किया गया। उन्होंने कहा कि पौधे प्रति का अमूल्य उपहार हैं और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी लोगों को वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाकर इसमें सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए।इस अवसर पर शंभू यादव, रामबेलास, दिनेश कुमार, भाजपा के वरिष्ठ नेता इंद्रसेन सिंह, ग्राम प्रधान सीता सहित अनेक ग्रामीण एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सोनीली/महराजगंज। भारत—नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एसएसबी की 66वीं वाहिनी और सोनौली पुलिस की संयुक्त टीम ने शनिवार को एक स्मैक तस्कर को गिरतार कर बड़ी सफलता हासिल की। आरोपी इलेक्ट्रिक स्कूटी से पगडंडी मार्ग के जरिए भारत से नेपाल मादक पदार्थ ले जाने की फिराक में था।एसएसबी के डी समवाय, डंडा हेड की आसूचना एवं विशेष आसूचना टीम को सूचना मिली थी कि सीमा स्तंभ संख्या 519 के पास भारतीय सीमा क्षेत्र स्थित फरेनी गांव के समीप से एक युवक स्मैक लेकर नेपाल जाने वाला है। सूचना मिलते ही कंपनी प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने सोनौली पुलिस को अवगत कराया। इसके बाद दोनों एजेंसियों की संयुक्त टीम ने मौके पर घेराबंदी कर वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों की सघन जांच शुरू कर दी।जांच के दौरान भारत से नेपाल की ओर जा रहे एक इलेक्ट्रिक स्कूटी सवार युवक को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में उसके कब्जे से स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान सलमान निवासी कोल्हूई के रूप में बताई।गिरतार आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि भारत—नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी तथा अन्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए एसएसबी और स्थानीय पुलिस का संयुक्त अभियान लगातार जारी है।

भी उतना ही आवश्यक है, ताकि वे विकसित होकर पर्यावरण को



को पौधों की सुरक्षा और रखरखाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण महाअभियान को सफल बनाने के लिए जनसहभागिता सबसे महत्वपूर्ण है और प्रत्येक व्यक्ति को इस अभियान से जुड़कर अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। मंडलायुक्त ने लोगों से अपील की कि वे स्वयं पौधे लगाने के साथ—साथ दूसरों को भी वृक्षारोपण के लिए प्रेरित करें, ताकि पर्यावरण संरक्षण का यह अभियान जनआंदोलन का रूप ले सके।इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

67 हजार रुपये के विवाद में हत्या के प्रयास के आरोपी गिरतार, भेजे गए जेल



रुपये के लेन—देन के बहाने पीडित को बुलाया और विवाद के दौरान उस पर कार चढ़ाकर हत्या का प्रयास किया। घटना के बाद पीडित की शिकायत पर सोनौली थाने में हत्या के प्रयास सहित अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपियों की तलाश शुरू की और उन्हें गिरतार कर लिया। आवश्यक पूछताछ के बाद सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की विवेचना जारी है। जांच के दौरान प्राप्त साक्ष्यों और तथ्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

भारत—नेपाल सीमा पर एसएसबी व सोनौली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, स्मैक के साथ तस्कर गिरतार।

दैनिक बुद्ध का संदेश सोनौली/महराजगंज। भारत—नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एसएसबी की 66वीं वाहिनी और सोनौली पुलिस की संयुक्त टीम ने शनिवार को एक स्मैक तस्कर को गिरतार कर बड़ी सफलता हासिल की। आरोपी इलेक्ट्रिक स्कूटी से पगडंडी मार्ग के जरिए भारत से नेपाल मादक पदार्थ ले जाने की फिराक में था।एसएसबी के डी समवाय, डंडा हेड की आसूचना एवं विशेष आसूचना टीम को सूचना मिली थी कि सीमा स्तंभ संख्या 519 के पास भारतीय सीमा क्षेत्र स्थित फरेनी गांव के समीप से एक युवक स्मैक लेकर नेपाल जाने वाला है। सूचना मिलते ही कंपनी प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार ने सोनौली पुलिस को अवगत कराया। इसके बाद दोनों एजेंसियों की संयुक्त टीम ने मौके पर घेराबंदी कर वाहनों और संदिग्ध व्यक्तियों की सघन जांच शुरू कर दी।जांच के दौरान भारत से नेपाल की ओर जा रहे एक इलेक्ट्रिक स्कूटी सवार युवक को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी में उसके कब्जे से स्मैक बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान सलमान निवासी कोल्हूई के रूप में बताई।गिरतार आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि भारत—नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी तथा अन्य अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए एसएसबी और स्थानीय पुलिस का संयुक्त अभियान लगातार जारी है।

सेखुईकला की महिला का वीडियो वायरल, बुजुर्ग को धमकाने का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश
बलरामपुर। थाना कोतवाली देहात क्षेत्र के ग्राम सेखुईकला की रहने वाली एक महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में महिला और उसके पति पर करीब 60.65 वर्षीय बुजुर्ग को डराने–धमकाने तथा कथित रूप से फर्जी मुकदमे में फंत्ताने की धमकी देने के आरोप लगाए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, संबंधित दंपति पर अपने सास–ससुर और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मारपीट व प्रताड़ना के भी आरोप हैं। हालांकि वीडियो को भी पुराना बताया जा रहा है।थाना कोतवाली देहात के प्रभारी निरीक्षक गिजेश तिवारी ने बताया कि वायरल वीडियो की जानकारी मुझे नहीं है।

जोकहिया बाईपास चौराहे पर आमने–सामने भिड़ीं दो बाइकें, एक चालक के नाबालिग होने की चर्चा

दैनिक बुद्ध का संदेश
बलरामपुर। जिले के जोकहिया बाईपास चौराहे पर दो मोटरसाइकिलों की आमने–सामने टक्कर हो गई। हादसे में दोनों



बाइकों का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों वाहनों को सड़क किनारे कर यातायात सुचारु कराया। इसके बाद पुलिस ने दुर्घटना के कारणों की जांच और संबंधित लोगों से पूछताछ शुरू कर दी।स्थानीय लोगों के अनुसार, दुर्घटना में शामिल एक बाइक का चालक नाबालिग बताया जा रहा है। बलरामपुर जिले में लगातार सड़क सुरक्षा और वाहन चेकिंग अभियान चलाए जा रहे हैं। इसके बावजूद कई अभिभावक नाबालिग बच्चों को बाइक चलाने के लिए दे देते हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। बिना अनुभव और यातायात नियमों की पर्याप्त जानकारी के वाहन चलाना न केवल चालक बल्कि अन्य राहगीरों के लिए भी गंभीर जोखिम बन सकता है।

सिंचाई विभाग के अधिकारी ने एक पेड़ मां के नाम पर किया पौधरोपण

दैनिक बुद्ध का संदेश
संतकबीर नगर। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक



पेड़ मां के नाम अभियान का शुभ आरंभ सिंचाई विभाग डेनज खंड के अधिशासी अधिकारी अजय कुमार द्वारा बढ़ाया मे पौधरोपण किया गया। उन्होंने कहा कि प्रति का संरक्षण मानव जीवन की सबसे बड़ी आवश्यकता है।उन्होंने जिले के लोगों से अपील किया कि प्रत्येक व्यक्ति अपनी मां के सम्मान में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए। उसके संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी भी स्वयं निभाए। पौधरोपण तभी सार्थक होगा जब लगाए गए पौधे वृक्ष बनकर पर्यावरण को समृद्ध करें। कहा कि सरकार पांच जून को पांच करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया है। संत कबीर नगर में दो लाख पौधे रोपा गया। मेहदावल विधायक अनिल कुमार त्रिपाठी ने पौधरोपण के महत्व को समझाया। डीएम आलोक कुमार ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के सफल आयोजन एवं पौधरोपण अभियान को प्रभावी बनाने के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार की गई है। इस मौके पर मनीष कुमार राय सहायक अभियंता, सुनील कुमार रौनियार जूनियर इंजीनियर,धीरेंद्र कुमार त्रिपाठी, दिनेश कुमार प्रजापति, अरविंद पटेल ,अर्जुन प्रसाद, अजय कुमार सिंह , रामजीत राम मेढ, मतीन खान, लालचंद चौधरी, राम रतन ग्राम प्रधान जोरवा आदि लोग मौजूद रहे हैं।

“एक पेड़ माँ के नाम” अभियान 3.0 के तहत श्रावस्ती पुलिस का वृहद वृक्षारोपण



थानों, चौकियों एवं रिजर्व पुलिस लाइन परिसर में बड़ी संख्या में पौधे लगाए गए।इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिसर में पौधरोपण कर अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। उन्होंने सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण एवं नियमित देखभाल का संकल्प लेने का आह्वान किया।अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं। बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण आवश्यक है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी माँ के सम्मान में एक पौधा लगाकर उसकी देखभाल करे, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।अभियान के तहत जनपद के सभी थानों, पुलिस चौकियों एवं रिजर्व पुलिस लाइन में भी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण किया। श्रावस्ती पुलिस ने इस अभियान को पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण जनजागरूकता पहल बताते हुए अधिक से अधिक लोगों से इसमें सहभागिता करने की अपील की।

श्रमजीवी पत्रकार यूनियन की तहसील इकाई की बैठक संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश
इकौना, श्रावस्ती। तहसील सभागार इकौना में रविवार, 12 जुलाई 2026 को श्रमजीवी पत्रकार यूनियन एसोसिएशन की तहसील इकाई की बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्रावस्ती विधायक रामफेरन पांडे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपजिलाधिकारी इकौना उपस्थित रहे।।

बैठक की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष शिवकुमार पाठक ने की। जिला अध्यक्ष आशुतोष पांडे के नेतृत्व में महामहिम राज्यपाल के नाम संबोधित चार सूत्रीय मांगों का ज्ञापन श्रावस्ती विधायक रामफेरन पांडे को सौंपा गया।ज्ञापन में संगठन ने मांग कि समाचार संकलन के दौरान

मीरपुर में परिवहन विभाग ने चलाया वृक्षारोपण महाअभियान, लगाए 2000 पौधे

दैनिक बुद्ध का संदेश
बहराइच। पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रविवार को परिवहन विभाग द्वारा मीरपुर कस्बे में वृहद वृक्षारोपण महाअभियान आयोजित किया गया। अभियान के तहत 2000 पौधों का रोपण कर हरित वातावरण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एआरटीओ सुशील कुमार ने पौधा लगाकर किया।इस अवसर पर एआरटीओ सुशील कुमार ने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी



न केवल शुद्ध ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, बल्कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने, वर्षा चक्र को सु.ढ़ करने और आने वाली पीढ़ियों

विधायक रामफेरन पांडे ने पत्रकारों की मांगों को गंभीर बताते हुए आश्वासन दिया कि वह इसे महामहिम राज्यपाल तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि पत्रकार लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और उनकी समस्याओं का समाधान हो ना आवश्यक है।बैठक में जिला अध्यक्ष आशुतोष पाठक, तहसील अध्यक्ष शिवकुमार पाठक, जिला मंत्री राजेश कुमार पांडे, राजकुमार गुप्ता, राजकुमार यादव, भास्कर नाथ विश्वकर्मा, डॉ. आरिफ खान, हफीजुल्लाह, धर्मचंद यादव, सुशील कुमार गुप्ता, विद्यामणि यादव, संजय रस्तोगी सहित श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के अनेक सदस्य उपस्थित रहे ।

को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखकर वृक्ष के रूप में विकसित करना भी है। यदि प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लेते हुए विश्वास जताया कि लगाए गए पौधे भविष्य में क्षेत्र को अधिक हरित, स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित रखकर वृक्ष के रूप में विकसित करना भी है। यदि प्रत्येक व्यक्ति वर्ष में कम से कम एक पौधा लगाकर उसकी प्रतिभागियों ने पर्यावरण संरक्षण का सामूहिक संकल्प लेते हुए विश्वास जताया कि लगाए गए पौधे भविष्य में क्षेत्र को अधिक हरित, स्वच्छ और प्रदूषणमुक्त बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

हलधरमऊ में डॉ. ज़ाहिद हुसैन इंस्टिट्यूट ऑफ़ कंप्यूटर टेक्नोलॉजी का भव्य उद्घाटन

दैनिक बुद्ध का संदेश
गोन्डा। जनपद के करनैलगंज क्षेत्र अन्तर्गत दरसगाह इस्लामी स्कूल, हलधरमऊ परिसर में स्वर्गीय डॉ. ज़ाहिद हुसैन खान की स्मृति में स्थापित डॉ. ज़ाहिद हुसैन इंस्टिट्यूट ऑफ कंप््यूटर टेक्नोलॉजी का भव्य उद्घाटन समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न हुआ।संस्थान की स्थापना का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीकी शिक्षा उपलब्ध कराना और उन्हें रोजगारपरक कौशल से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाना है।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सदर विधानसभा गोंडा के पूर्व



पर अतिथियों का बुके एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उद्घाटन के दौरान उपस्थित लोगों ने संस्थान की पहल की सराहना करते हुए इसे क्षेत्र के

लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।समारोह में जिला पंचायत सदस्य वकार खान, हाजी आमिर खान, हाजी शाहबुद्दीन खान (शम्बू), देवेंद्र सिंह, इब्राहीम खान, अली अहमद खान, बदरुस्सलाम खान, सत्येंद्र सिंह, पप्पू खान, फुरकान खान, मोहसिन खान, राशिद अख्तर खान, अफजल खान, दिलगीर हुसैन, हसीब खान, हकीकुर्रहमान खान सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएँ, अभिभावक एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।संस्थान के डायरेक्टर मोहसिन खान ने कहा कि स्वर्गीय डॉ. ज़ाहिद हुसैन खान का सपना था

बहराइच पुलिस का हरित संकल्प एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत 2000 पौधों का वृहद वृक्षारोपण

दैनिक बुद्ध का संदेश
बहराइच। पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में रविवार को एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पुलिस लाइन सहित जनपद के सभी थाना परिसरों, पुलिस कार्यालयों एवं अन्य पुलिस इकाइयों में वृहद स्तर पर वृ्क्षारोपण किया गया।पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से आयोजित इस अभियान में पुलिस लाइन बहराइच में



उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित कर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके संरक्षण का संकल्प

जांच के बहाने महिला से ठेड़ठाड़, मेडिकल स्टोर संचालक गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश
उत्तरोला, बलरामपुर कोतवाली क्षेत्र के पटेल नगर में मेडिकल स्टोर संचालक पर महिला से छेड़छाड़ का आरोप लगा है। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरतार कर लिया है। पीड़िता का आरोप है कि दवा लेने गई महिला से आरोपी ने जांच के बहाने छेड़छाड़ की। साथ ही उससे अश्लील बातें कीं और माइंड वॉश करने का प्रयास किया। घटना के बाद पीड़िता ने उत्तरोला कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान आदिल पौड्डा इंसराइल निवासी गांधी नगर के रूप में हुई है। वह पटेल नगर में मेडिकल स्टोर संचालित करता है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की संबंधित धाराओं में केस दर्ज किया और आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो और मेडिकल स्टोरों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

बलरामपुर के अनुराग विश्वास की अगुवाई में जेडी ईस्पोर्ट्स ने विश्व मंच पर लहराया परचम

दैनिक बुद्ध का संदेश
बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले के जैतापुर निवासी एवं जेडी ईस्पोर्ट्स के संस्थापक अनुराग विश्वास के नेतृत्व में भारतीय ईस्पोर्ट्स संगठन जेडी ईस्पोर्ट्स ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि हासिल की है। टीम ने एपेक्स लीजेंड्स ग्लोबल सीरीज (एएलजीएस) वर्ष–6 स्प्लिट–1 प्लेऑफ के ग्रैंड फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान प्राप्त किया। दुनिया की 40 शीर्ष पेशेवर टीमों के बीच आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में जेडी ईस्पोर्ट्स ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर भारत का गौरव बढ़ाया। प्रतियोगिता की कुल पुरस्कार राशि 20 लाख अमेरिकी डॉलर

थी। चौथे स्थान पर रहने के लिए जेडी ईस्पोर्ट्स को 1.5 लाख अमेरिकी डॉलर (करीब 1.3 करोड़ रुपये) की पुरस्कार राशि मिली। इसके साथ ही टीम ने 780 एएलजीएस चैम्पियनशिप अंक भी अर्जित किए, जो आगामी वैश्विक प्रतियोगिताओं के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं। जेडी ईस्पोर्ट्स की ओर से डूप्लेक्स, डीडस और वाईजेली ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। तीनों खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार रणनीति, संयम और टीमवर्क का परिचय देते हुए लगातार अंक जुटाए तथा ग्रैंड फाइनल में चौथा स्थान सुनिश्चित किया।जेडी ईस्पोर्ट्स के संस्थापक अनुराग विश्वास, जो बलरामपुर जिले के जैतापुर के निवासी हैं, ने इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन का लक्ष्य भारतीय ईस्पोर्ट्स को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाना है। उन्होंने कहा कि टीम आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारियों में जुटी है और भविष्य में इससे भी बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करेगी। एएलजीएस स्प्लिट–1 प्लेऑफ को एपेक्स लीजेंड्स का सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक टूर्नामेंट माना जाता है, जिसमें दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों की शीर्ष 40 पेशेवर टीमें भाग लेती हैं। ऐसे कठिन मुकाबले में चौथा स्थान हासिल करना जेडी ईस्पोर्ट्स की अब तक की सबसे बड़ी अंतरराष्ट्रीय सफलताओं में शामिल है। अनुराग विश्वास की यह उपलब्धि बलरामपुर सहित पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गर्व का विषय बन गई है।

भिनगा से एक पेड़ मां के नाम 3.0 महाअभियान का शुभारंभ, जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने किया पौधारोपण

दैनिक बुद्ध का संदेश
श्रावस्ती। जनपद में पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के संकल्प के साथ एक पेड़ मां के नाम 3.0 महाअभियान का भव्य शुभारंभ रविवार को भिनगा स्थित राजकीय पुस्तकालय परिसर में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश अध्यक्ष बैजनाथ रावत ने पौधारोपण कर अभियान की शुरुआत की।इस अवसर पर जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग, श्रावस्ती विधायक राम फेरन पांडेय, जिला पंचायत अध्यक्ष दहन मिश्रा सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे। सभी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया।वन विभाग के नेतृत्व में जनपदभर में बड़े स्तर पर वृक्षारोपण महाअभियान संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष बैजनाथ रावत ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मां के सम्मान और प्र.ति के संरक्षण के लिए कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए तथा उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए।।कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने, उनका संरक्षण करने तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। अभियान में विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

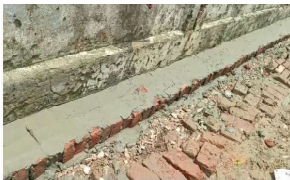
रिश्तेदारी से लौट रही वृद्धा की बाइक से गिरकर मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश
बलरामपुर। गौरा धाना क्षेत्र के भोजपुर संतरी गांव निवासी एक वृद्धा की सिद्धार्थनगर जिले के त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र में बाइक से गिरने के बाद मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना से परिजनों में शोक व्याप्त है।भोजपुर संतरी गांव निवासी मुन्ना देवी (62), पत्नी छेदी आरक, रविवार सुबह त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के बबुरहा गांव में रिश्तेदारी से मोटरसाइकिल से अपने घर लौट रही थीं। बिस्कोहर स्थित राजकीय डिग्री कॉलेज के पास पहुंचते ही वह अचानक बाइक से नीचे गिर पड़ीं। आसपास मौजूद लोगों ने बाइक चालक की मदद से उन्हें तत्काल बिस्कोहर के एक निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे। इसके बाद शव को गांव भोजपुर संतरी लाया गया, जहां अंतिम संस्कार की तैयारी की गई। घटना से गांव में शोक का माहौल है।

घरेलू विवाद मे पति–पत्नी ने लगाई फांसी, दोनों की मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश
उत्तरोला, बलरामपुर।घरेलू विवाद के चलते पति–पत्नी ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। श्रीदत्तगंज थाना क्षेत्र के धौरहरा निवासी राकेश शर्मा (27) व उनकी पत्नी रोशनी (22) का शव शनिवार को कमरे में फंदे से झूलता मिला था। दोनों का विवाह भी अभी एक साल के भीतर हुआ था। घर के लोगों की सूचना के बाद परिवार के लोगों ने दोनों का शव उतारा। रोशनी की सांसे चलता देख कर उसे उत्तरोला के एक निजी अस्पताल मे दाखिल कराया। नाजुक हालत को देखते हुए उसे गोंडा रेफर कर दिया गया लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। थानाध्यक्ष अवरिल शुक्ल ने बताया कि घटना की सूचना उन्हें देर से मिली। परिजनों ने शवों का अंतिम संस्कार कर दिया था। विवाद के वजह की जानकारी जुटाई जा रही है।

पयागपुर में इंटरलॉकिंग निर्माण पर उठे सवाल, ग्रामीणों ने डीएम से की जांच की मांग



दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जनपद बहराइच की नगर पंचायत पयागपुर के वार्ड नंबर–3 में कराए जा रहे इंटरलॉकिंग निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों ने अनियमितताओं का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता मानकों की अनदेखी की जा रही है तथा घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा है।ग्रामीणों के अनुसार निर्माण कार्य के दौरान जिम्मेदार विभागीय अधिकारी मौके पर मौजूद नहीं रहते, जिससे कार्य की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। उनका आरोप है कि सरकारी धन का दुरुपयोग किया जा रहा है और निर्माण कार्य में पारदर्शिता का अभाव है।ग्रामीणों ने जिलाधिकारी बहराइच से मामले की निष्पक्ष जांच कराय जाने की मांग की है। साथ ही दोषी पाए जाने वाले अधिकारियों एवं संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग भी की है।फिलहाल मामले में संबंधित विभाग की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। जांच के बाद ही आरोपों की पुष्टि हो सकेगी।

